अव्यवस | दोपहिया वाहनों की पार्किंग के साथ कार्यालयीन फाइलें भी पड़ीं कबाड़ में, व्यवस्था पर उठे सवाल

महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में अव्यवस्था

▸ सुरक्षा विभाग के पास का शेड बना पार्किंग और कबाड़घर

नवभारत,धनपुरी । एसईसीएल सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। सुरक्षा विभाग कार्यालय के बगल में बना शेड, जिसका उपयोग सुव्यवस्थित प्रशासनिक कार्यों के लिए किया जाना चाहिए, आज दोपहिया वाहन चालकों के लिए अनौपचारिक पार्किंग स्थल बनकर रह गया है। इतना ही नहीं, इसी स्थान पर विभिन्न कार्यालयों की पुरानी जॉब फाइलें और अन्य दस्तावेज कबाड़ के रूप में बिखरे पड़े दिखाई दे रहे हैं, जिससे पूरे परिसर की व्यवस्था और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्यालय परिसर में आने वाले कर्मचारियों और आगंतुकों की नजर सबसे पहले इस अव्यवस्था पर पड़ती है। शेड के नीचे बड़ी संख्या में मोटरसाइकिलें खड़ी रहती हैं, जबकि आसपास कार्यालयों से संबंधित पुराने रिकॉर्ड, जॉब फाइलें तथा अन्य अनुपयोगी सामग्री बिना किसी सुव्यवस्थित रखरखाव के पड़ी हुई दिखाई देती है। यदि इन फाइलों में संवेदनशील या महत्वपूर्ण अभिलेख शामिल हैं, तो उनका इस प्रकार खुले में रखा जाना सुरक्षा और रिकॉर्ड प्रबंधन, दोनों दृष्टि से चिंता का विषय है। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों का कहना है कि महाप्रबंधक कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक परिसर में इस प्रकार की अव्यवस्था संस्थान की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाती है। सार्वजनिक और प्रशासनिक परिसरों में साफ-सफाई, अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव तथा निर्धारित स्थानों पर वाहन पार्किंग जैसी व्यवस्थाएं प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन यहां स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इस दिशा में एरिया के जिम्मेदार अधिकारी ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। यदि शेड का उपयोग पार्किंग के रूप में किया जा रहा है तो उसके लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। वहीं, कबाड़ के रूप में पड़ी कार्यालयी फाइलों और अन्य सामग्री का नियमानुसार निस्तारण अथवा सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाना भी आवश्यक है। लोगों का मानना है कि संबंधित अधिकारियों को परिसर का निरीक्षण कर तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि कार्यालय की गरिमा बनी रहे और प्रशासनिक परिसर में सुव्यवस्था का संदेश दिखाई दे। समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो यह लापरवाही भविष्य में और गंभीर सवाल खड़े कर सकती है।

निर्माणाधीन मकान की छत ढ़ही, 3 मजदूर घायल

नवभारत,शहडोल। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 28 स्थित सौखी मोहल्ला में एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहाँ एक निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल की छत की ढलाई के दौरान अचानक सेन्ट्रिंग का सामने का हिस्सा भरभराकर ढह गया। इस हादसे के वक्त छत की ढलाई के काम में जुटे तमाम मजदूर सीधे नीचे आ गिरे। मलबे और ऊंचाई से गिरने के कारण तीन से अधिक मजदूर मलबे की चपेट में आ गए, जिनमें से दो की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल निर्मित हो गया।

ढलाई के दौरान अचानक बैठ गई छत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धनपुरी निवासी मकान मालिक मयंक अग्रवाल की एक बिल्डिंग का निर्माण कार्य शहडोल बुढार मार्ग स्क्वायर के पास, क्रिश्चियन हॉस्पिटल के पीछे साईं आईटीआई रोड पर चल रहा था। शनिवार को मकान की दूसरी मंजिल की छत की ढलाई का काम बड़े पैमाने पर किया जा रहा था। मिक्सर मशीन चालू थी और मजदूर पूरी तत्परता से काम में जुटे थे। तभी अचानक एक जोरदार आवाज के साथ छत की सेन्ट्रिंग का सामने का हिस्सा बैठ गया। जब तक मजदूर संभल पाते या वहां से भाग पाते, तब तक पूरी छत नीचे गिर गई। छत पर काम कर रहे सभी मजदूर मलबे के साथ नीचे आ गिरे।

निजी अस्पताल में घायलों का उपचार जारी

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसे में दो मजदूरों को बेहद गंभीर चोटें आई हैं, जबकि एक अन्य मजदूर को हल्की चोटें लगी हैं। सभी घायलों को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी आदित्य हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहाँ डॉक्टरों की टीम उनकी देखरेख में जुटी है।

हादसे के कारणों की जांच में जुटा प्रशासन

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है। शुरुआती तौर पर हादसे की वजह कमजोर सेन्ट्रिंग या ढलाई के दौरान अत्यधिक भार का होना माना जा रहा है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हादसे के सटीक कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एक नजर में

महर्षि विद्या मंदिर के पूर्व छात्र रविकेश सिंह बागरी बने पुलिस उप निरीक्षक

नवभारत,शहडोल। महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल के पूर्व छात्र रविकेश सिंह बागरी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुलिस उप निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) पद पर चयनित होकर अपने परिवार, विद्यालय और शहडोल जिले का गौरव बढ़ाया है।रविकेश सिंह बागरी, पिता राकेश सिंह बागरी एवं माता अनीता सिंह बागरी के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर यह सफलता अर्जित की है। इससे पहले भी वे यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों और क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। महर्षि विद्या मंदिर की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी ने रविकेश की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के पूर्व छात्र लगातार विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने रविकेश को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय परिवार ने भी रविकेश सिंह बागरी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया और कहा कि समर्पण, परिश्रम एवं लक्ष्य के प्रति दृढ़ निष्ठा से सफलता अवश्य प्राप्त होती है।

हाइवे पर अज्ञात वाहन ने रौंदा, चौकीदार की मौत

नवभारत, जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत पौड़ी के पास हाईवे रोड पर एक बेलगाम वाहन ने मोटर सायकिल सवार चौकीदार को रौंद दिया। हादसे में गंभीर चोटें आने से घायल ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को विजय कर्ण निवासी ग्राम सहजपुर भेड़ाघाट ने सूचना दी कि सहजपुर निवासी उसका भांजा दीपक कर्ण 30 वर्ष ग्राम सहजपुर वृहताकार समीति में चौकीदारी के पद पर पदस्थ था बीती रात लगभग 8 बजे अपनी मोटर सायकल से शहपुरा तरफसे अपने घर ग्राम सहजपुर आ रहा था ।

जुआ फड़ों पर छापा 12 जुआरी गिरफ्तार

नवभारत,जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत नेता कालोनी में सजे जुआ फड़ों पर पुलिस ने छापा मार कार्यवाही कर 12 जुआरियों को गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से नगद 5750 रूपये जप्त किए गए। टीआई विपिन ताम्रकार ने बताया कि नेता कालोनी मिलन आटा चक्की के पास ताश पत्तो पर रूपये का दांव लगाकर जुआ खेल रहे गुलजार मोह. आमीन, मोहसिन, आसिफ मंसूरी, आशीष शुक्ला, मोह. शहजाद को पकड़ा गया।

जपं गोहपारू सीईओ पर टीएस प्रस्तावों में मनमानी का आरोप

▸ गोहपारू जनपद सीईओ पर सरपंच संघ का हमला कलेक्टर से हटाने की मांग

नवभारत,शहडोल। जिले में पंचायत व्यवस्था को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। जिला सरपंच संघ अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह शिब्बू सहित पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर जनपद पंचायत गोहपारू के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) कुलदीप दिनकर को तत्काल हटाने की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जनपद पंचायत गोहपारू में तकनीकी स्वीकृति (टी.एस.) से जुड़े प्रस्ताव पारित होने के बाद भी संबंधित सरपंचों और जनप्रतिनिधियों को विश्वास में नहीं लिया जाता तथा कार्यों में मनमानी की जा रही है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की जा रही है, जिससे पंचायतों के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि विकास कार्यों में अनियमितता और कथित आर्थिक लेन-देन की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। सरपंच संघ ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए सीईओ के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। सरपंच संघ अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो जिले के सरपंच व्यापक आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

14 वर्षों से एक ही जिले में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक की संभागायुक्त से शिकायत

▸ सहायक पुलिस उपनिरीक्षक को आखिर कौन दे रहा संरक्षण

नवभारत, धनपुरी । प्राकृतिक संपदाओं से भरपूर इस जिले में जो भी आता है यही का होकर रह जाता है उसमे एक नाम है धनपुरी थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक भूपेंद्र कुमार अहिरवार का यह वह नाम है जो लगातार विवादों में रहता है जिले में इनकी तैनाती पिछले 14 वर्षों से अधिक समय से है जो की कई प्रकार के प्रश्न चिन्ह पुलिस महकमे के ऊपर खड़े करती हैं भूपेंद्र कुमार अहिरवार कई सालों से जिले में केवल एक ही अनुभाग में पदस्थ है वह अनुभाग है धनपुरी पुलिस अनुभाग लगातार इनकी एक ही अनुभाग में मौजूदगी से इनके कुछ विशेष संबंध यहां के तथाकथित समाजसेवियों और माफियाओं से प्रगाढ़ हो चुके हैं ।

सम्पूर्ण धनपुरी थाना क्षेत्र जानता है और यहां पर लोग चाय पर चर्चा करते हुए कहते हैं की असली थाना प्रभारी तो भूपेंद्र है साहब तो बस नाम मात्र के प्रभारी हैं खैर पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता शायद उस दिन टूटे जब धनपुरी थाना क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित हो जाए और अगर घटित होती भी है तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होनी चाहिए क्योंकि धनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत जुआ कबाड़ सट्टा अवैध उत्खनन और परिवहन लगातार चरम पर है साथ ही धनपुरी पूरी तरह से मेडिसिन और सिरप स्वरूपी नशे में डूबती जा रही है धनपुरी में नशे के इंजेक्शन का कारोबार हो या प्रतिबंधित सिरप कोरेक्स ओनरेक्स जैसे मादक दवाइयां सभी की बिक्री पुलिसिया संरक्षण में चरम पर है । सबसे हास्यास्पद बात यह है और शहडोल पुलिस के लिए चिंतनीय भी कि एक पुलिस कर्मी जिसकी तैनाती आरक्षक के रूप में शहडोल जिले में हुई थी वह समय के साथ सहायक उपनिरीक्षक पदोन्नति तक का सफर तय करता है लेकिन उसको आवंटित किया गया ।

श्रीराधा भक्ति ही प्रेम-सुधा रस का द्वार : स्वामी युगल शरण महाराज

नवभारत,शहडोल। जगद्गुरुत्तम स्वामी श्री कृपालु जी महाराज के प्रमुख प्रचारक डॉ. स्वामी युगल शरण जी महाराज के सानिध्य में शहडोल नगर स्थित मोती महल होटल प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय दिव्य सत्संग कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। 10 से 12 जुलाई तक चल रहे इस आध्यात्मिक आयोजन में सत्संग, नगर संकीर्तन, रूपध्यान साधना, आध्यात्मिक प्रश्नोत्तर, लीला वीडियो दर्शन, व्यक्तिगत मार्गदर्शन, आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए 8 कार्यक्रम एवं यूनिट बैठक जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सत्संग के दौरान स्वामी युगल शरण महाराज ने जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज द्वारा रचित पद ष्वृषभानु लली गुण गाइयेष् की भावपूर्ण व्याख्या करते हुए कहा कि श्रीराधारानी के गुण, नाम, रूप, धाम और चरित्र का निरंतर स्मरण करने वाला साधक ही वास्तविक प्रेम-रस का अधिकारी बनता है। उन्होंने कहा कि श्रीराधाजी करुणा, प्रेम, सेवा और मधुरता की साक्षात स्वरूप हैं तथा उनके चरणों का ध्यान जीवन को ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण की ओर ले जाता है।उन्होंने समग्र भावार्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि श्रीराधाजी की भक्ति के छह प्रमुख साधनकृगुण-कीर्तन, चरण-ध्यान, नाम-जप, धाम-सेवा, चरित्र-श्रवण-कीर्तन तथा संत-संगकृमनुष्य के जीवन को परम आनंद और दिव्य प्रेम की अनुभूति कराते हैं। कार्यक्रम के अंत में शहडोल यूनिट के प्रभारी राम बहादुर तिवारी, दिनकर त्रिपाठी, रविंद्र पाठक, शिवेंद्र सिंह परिहार, आलोक त्रिपाठी, लक्ष्मी तिवारी, संगीता पाठक, रजनी मिश्रा, सुमन सिंह, सरोज तिवारी, द्वारिका त्रिपाठी सहित सभी सत्संगियों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर दिव्य सत्संग का लाभ लेने तथा स्वामी युगल शरण जी महाराज के सानिध्य में अपने आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध बनाने की अपील की।

अपराधियों पर होगी सख्त कार्रवाई : एसपी

▸ नवागत पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट की प्राथमिकताएं, बोले-कानून व्यवस्था मजबूत करना लक्ष्य

नवभारत,शहडोल। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने शनिवार को अपनी पहली पत्रकार वार्ता में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपराधों पर सख्त नियंत्रण की कार्ययोजना सामने रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में अपराध और नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस पूरी सख्ती के साथ अभियान चलाएगी तथा आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक जिले में विशेष नशा विरोधी अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों का सहयोग लिया जाएगा। साथ ही युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रकाशित अपराध, अवैध गतिविधियों तथा जनहित से जुड़े मामलों पर पुलिस तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगी।

शैक्षणिक गुणवत्ता से समझौता नहीं, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर

नवभारत, शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिले के प्राचार्यों एवं संकुल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, परीक्षा परिणाम, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा स्कूलों के संचालन की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी प्राचार्यों को निर्धारित समय सीमा में पाठ्यक्रम पूर्ण कराने, विद्यार्थियों के नियमित मासिक परीक्षण आयोजित करने, उनकी ग्रेडिंग करने तथा कमजोर विद्यार्थियों की काउंसलिंग कर आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति पर सतत निगरानी रखी जाए, ताकि बेहतर परीक्षा परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें।उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से भी संपर्क किया जाए। साथ ही शिक्षकों की अनावश्यक अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, मेहनत और अनुशासन ही असली मंत्र : कलेक्टर

▸ विद्यार्थियों के बीच बैठकर जाना हाल भोजन, स्वास्थ्य और पढ़ाई की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नवभारत,शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शनिवार को आवासीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विचारपुर का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया तथा विद्यालय में उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के बीच बेंच पर बैठकर उनकी पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्थाओं और दैनिक दिनचर्या के संबंध में चर्चा की।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, लगन, अनुशासन और एकाग्रता के साथ नियमित अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ष्सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, निरंतर परिश्रम ही बेहतर परिणाम दिलाता है। विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर पूरी निष्ठा से तैयारी करने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन श्रमदान कर विद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग, खेल सामग्री, स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

प्रशिक्षण | डॉक्टरों व कर्मचारियों ने सीखे अग्निशमन के व्यावहारिक गुर

केंद्रीय चिकित्सालय में फायर सेफ्टी प्रशिक्षण आयोजित

नवभारत,धनपुरी । एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के धनपुरी केंद्रीय चिकित्सालय में गुरुवार को डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय फायर सेफ्टी एवं अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल परिसर को अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित बनाए रखना, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य की क्षमता विकसित करना तथा स्वास्थ्य कर्मियों को आग लगने की स्थिति में सही तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन माइंस रेस्क्यू स्टेशन, सोहागपुर क्षेत्र के प्रभारी एवं रेस्क्यू ऑफिसर श्री सुरेश मीणा तथा ब्रिगेड सदस्य श्री नीरज सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने अस्पताल के कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि किसी भी अग्नि दुर्घटना के शुरुआती कुछ मिनट सबसे अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इस दौरान सही तकनीक और उचित अग्निशामक यंत्र का उपयोग किया जाए तो बड़ी दुर्घटना को भी टाला जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान सुरेश मीणा ने आग के विभिन्न प्रकारों तथा प्रत्येक प्रकार की आग को बुझाने के लिए उपयोग किए जाने वाले अलग-अलग फायर एक्सटिंग्विशरों की जानकारी दी। उन्होंने कर्मचारियों को यह भी बताया कि बिजली से लगने वाली आग, ज्वलनशील पदार्थों से लगने वाली आग तथा सामान्य आग के लिए अलग-अलग प्रकार के अग्निशामक यंत्रों का उपयोग किया जाता है। उन्होंने सुरक्षा के मूलभूत नियमों, सावधानियों तथा आपदा प्रबंधन की प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया। इसके बाद ब्रिगेड सदस्य श्री नीरज सिंह के सहयोग से अस्पताल परिसर में लाइव डेमो आयोजित किया गया। इस दौरान डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को स्वयं फायर एक्सटिंग्विशर चलाकर आग बुझाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया और विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय संयमित रहकर त्वरित एवं सुरक्षित कार्रवाई करने के उपाय भी बताए गए।

अस्पताल प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी किसी भी आपात स्थिति में बेहतर ढंग से राहत एवं बचाव कार्य कर सकते हैं, जिससे जनहानि और संपत्ति के नुकसान की संभावना कम हो जाती है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित डॉक्टरों एवं कर्मचारियों ने अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में सतर्क, सजग एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य चिकित्सा सेवा प्रभारी डॉ. कल्याण सरकार, डॉ. मोहन (सीएमओ, प्रशासन) तथा एरिया सेफ्टी ऑफिसर श्री रमेश प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में डॉ. दिपांतु सरकार, डॉ. दीपक पराड़कर, डॉ. चारिणी सिंह, डॉ. अतराम, डॉ. धनेंद्र गजबिये, डॉ. माधवी पराड़कर, सुषमा नागले, अंबिका प्रसाद तिवारी, मंजू कोरी, मुनि जैन, संदीप शर्मा, अरुण लोधी, मुकेश सिंह, अनिल रुचंदानी, सुधीर प्रधान, अर्चना सिंह, रोहित विश्वकर्मा, कविता खान, साधना गुप्ते, अमरेश द्विवेदी, सोनेलाल राय, चंद्रकिरण, सुशीला, गायत्री, हाजरा, रमोला, सुनैना, हिमांशु, सीमा तथा रामलली सहित अस्पताल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य कर्मियों के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ, बल्कि अस्पताल में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल माना गया।इससे भविष्य में किसी भी संभावित अग्नि आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारी को नई मजबूती मिलेगी।

सेवानिवृत्त प्रो . सुनीता बाथरे को दी गई विदाई

▸ कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने कहा- शिक्षक की सबसे बड़ी पहचान उसके विद्यार्थियों और संस्कारों से होती है

नवभारत,शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल में कला संकाय की पूर्व संकायाध्यक्ष एवं अर्थशास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता बाथरे के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने की, जबकि समारोह की मुख्य अतिथि स्वयं सेवानिवृत्त प्राध्यापिका प्रो. सुनीता बाथरे रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर समारोह को गरिमामय बना दिया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता बाथरे का श्रीफल, शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया। उपस्थित शिक्षकों एवं अधिकारियों ने उनके चार दशकों से अधिक के उत्कृष्ट शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं मानवीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी शुभकामनाएँ दीं। अपने उद्बोधन में डॉ. चेतना सिंह ने कहा कि प्रो. सुनीता बाथरे ने सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी तथा अपनी कार्यशैली, अनुशासन एवं सहज व्यवहार से सभी के लिए प्रेरणास्रोत बनीं। उनका जीवन युवा शिक्षकों के लिए एक आदर्श है। डॉ. गीता सराफ ने कहा कि प्रो. बाथरे ने विश्वविद्यालय में शिक्षा, शोध एवं प्रशासनिक कार्यों के बीच उत्कृष्ट समन्वय स्थापित किया। उनकी सादगी, संवेदनशीलता और कार्यनिष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी तथा उनका अनुभव आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि प्रो. सुनीता बाथरे का सम्पूर्ण सेवाकाल विद्यार्थियों के हित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्थागत विकास के लिए समर्पित रहा। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. प्रवीण शर्मा ने कहा कि प्रो. बाथरे ने अपने ज्ञान, सरल व्यक्तित्व और सकारात्मक सोच से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच सदैव सम्मान अर्जित किया। उनका योगदान विश्वविद्यालय के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी ने कहा कि प्रो. सुनीता बाथरे ने अपने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन अत्यंत दक्षता, पारदर्शिता एवं समर्पण के साथ किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के बीच सदैव सहयोग एवं समन्वय की भावना को मजबूत किया। उनका अनुभव और मार्गदर्शन आगे भी विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणादायी रहेगा।